संख्याः 730 / 18(1) / 2005

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,
देहरादून।

राजस्व विभाग देहरादूनः दिनांकः 27 मार्च, 2006

विषयः–कलैक्ट्रेट देहरादून के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु धनराशि निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या–मीमो / नाजिर सदर–आगणन–2005 दिनांक 2–11–2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कलैक्ट्रेट देहरादून के कर्मचारियों के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु उपलब्ध कराये गये आगणन रु0 475.25 लाख का टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाये गये आगणन रु0 452.00 लाख पर प्रशासनिक एंव वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिये रु0 16.00 लाख (रु0 सोलह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1– आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत / अनुमोदित दरों को जो दरे शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक है।

2– कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाये।

3– कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत मार्म है, स्वीकृत मार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।

4– एक मुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पर्वू विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

5– कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एंव लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

.....(2)

6– कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली–भॉति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एंव भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।

7– आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।

8– निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाये।

9– भवन निर्माण में भूकम्परोधी तकनीकी का समावेश किया जायेगा।

10– कार्य की वित्तीय एंव भौतिक प्रगति उपलब्ध कराने के उपरान्त ही आगामी किश्त अवमुक्त की जायेगी।

11– उपरोक्त धनराशि व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूल्स, टैण्डर/कुटेशन विषयक नियम एंव शासन के अन्य तद्विषयक आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

12– इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005–06 के आय–व्ययक की अनुदान संख्या–6 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक–4059–लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय–60–अन्य भवन–051–निर्माण–01–केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें–0104–कलैक्ट्रेट भवनों का निर्माण–24–वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

13– यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या–179/वि0अनु0–5/2006 दिनांक 25 मार्च, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सोहन लाल)
अपर सचिव।

संख्या एंव तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
2– कोषाधिकारी, देहरादून।
3– निजी सचिव, मुख्यमंत्री।
4– अपर सचिव, वित्त बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
5– अपर सचिव, नियोजना विभाग, उत्तरांचल शासन।
6– निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल।
7– वित्त अनुभाग–5, उत्तरांचल शासन।
8– अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, देहरादून।
9– गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सोहन लाल)
अपर सचिव।